>

Title: Issue regarding Foreign Direct Investment in retail sector.

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्षा जी, संसद के मानसून सत्र में और शीतकालीन सत्र के बीच में एक ऐसी घटना घटी है ...(व्यवधान) जिसने संसद की घोर अवमानना की है। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Only what the Leader of Opposition is saying will go on record. Nothing else will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

12.04 hrs

At this stage, Shri Kalyan Banerjee, Dr. Kakoli Ghosh Dastidar and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

...(*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैडम, मैं संसद की घोर अवमानना का एक पत्र आपके ध्यान में लाना चाहती हूं। ...(व्यवधान) मानसून सत्र और शीतकालीन सत्र के दौरान जिस प्रकार चल रहा है। ...(व्यवधान) मैं आपको याद दिलाना चाहती हूं कि 7 दिसम्बर, 2011 को आपकी अपनी अनुमति से तत्कालीन वित्त मंत्री जी ने इस सदन में एक वक्तव्य दिया था जो वक्तव्य खुदरा व्यापार में प्रत्यक्ष विदेशी पूंजी के निवेश को लंबित रखने के बारे में था।...(व्यवधान) मैं पढ़ कर सुनाना चाहती हूं :

> "THE MINISTER OF FINANCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Madam Speaker, with your permission, I would like to make a small statement.
> Madam Speaker, the decision to permit 51 per cent FDI in multibrand retail trade is suspended till a consensus is developed through consultation amongst various stakeholders. I convened a meeting of Leaders of all political parties this morning. Earlier also, I had a meeting with them to discuss on how to resolve this impasse due to which Parliament was not functioning properlyâ€¦"

> "â€¦I am glad that all the Leaders have agreed to this formulation but they wanted to have some clarifications....(*Interruptions*) I am seeking your permission to provide that clarification that stakeholders include the Chief Ministers of the State Governments and political parties because without the involvement of the State Chief Ministers, this can never be implemented...(*Interruptions*) "

मैडम, आप ध्यान दें। उन्होंने कहा था - â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Let the House be in order.

...(*Interruptions*)

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ : Madam, he further said:

> "Therefore, the Government will take a decision after a consensus is developed through the process of consultations amongst all stakeholders....(*Interruptions*) With these words, most respectfully, I would like to submit that the House may transact normal business as only ten days are left before the Winter Session comes to an end. Thank you, Madam Speaker....(*Interruptions*)"

मैडम, इसके बाद मैं खड़ी हुई थी और मैंने आपकी अनुमति से कहा था।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Let the House be in order.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : अब रिकार्ड में नहीं जा रहा है। Nothing is going in record.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: I have received the notice of No-confidence Motion. Let the House be in order so that I can count 50 MPs.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: The House has to be in order.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Nothing will go in record.

*(Interruptions) â€¦**

MADAM SPEAKER: Please go back and sit down. Please take your seats.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 12.30 p.m.

12.07 hrs

The Lok Sabha then adjourned till thirty minutes past Twelve of the Clock.

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्ष जी, संसद के मानसून सत्र और शीतकालीन सत्र के बीच में एक प्रकरण ऐसा घटा है, जिसमें संसद की घोर अवमानना हुई है। मैं आपको याद दिलाना चाहती हूं कि 7 दिसम्बर, 2011 को तत्कालीन वित्तमंत्री श्री प्रणब मुखर्जी ने आपकी अनुमति से इस सदन में एक वक्तव्य दिया था। अभी इससे पहले वह वक्तव्य मैंने यहां पढ़कर सुनाया।...(व्यवधान)

-

12.36 hrs.

At this stage Shri Kalyan Banerjee and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record except what the Leader of the Opposition is saying.

*(Interruptions) â€¦**

श्रीमती सुषमा स्वराज : उस वक्तव्य के बाद मैंने भी इस पर रिस्पांड करते हुए कहा था कि इस सरकार ने जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जो निर्णय किया है। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing else will go on record except what Sushmaji is saying.

*(Interruptions) â€¦ **

श्रीमती सुषमा स्वराज : जनभावनाओं के आगे झुकना सरकार की हार नहीं होती, बल्कि यह लोकतंत्र का मजबूत करता है। तमाम राजनैतिक दलों, राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात करने के बाद और उन सभी लोगों से बात करने के बाद, जिनके हित इस निर्णय से प्रभावित हो रहे थे, आम सहमति बनाने के बाद सरकार यह निर्णय करेगी और तब तक इस निर्णय को लम्बित रखा गया है। मैं प्रणब दा के प्रति धन्यवाद अर्पित करती हूं जिन्होंने इस पूरे मसले को अपने हाथ में लिया और आल-पार्टी मीटिंग की। प्रधानमंत्री जी की अनुमति से यह निर्णय हुआ है, मैं उनके प्रति भी देश की तरफ से आभार प्रकट करती हूं कि जनभावनाओं के सामने सरकार झुकी। यह एक बहुत बड़ी लोकतांत्रिक जीत का कदम है।

मगर मुझे दुख से कहना पड़ता है कि जो वक्तव्य तत्कालीन वित्तमंत्री जी ने यहां रखा, जिसके लिए मैंने समूचे विपक्ष की तरफ से ही नहीं, समूचे देश की तरफ से सरकार के प्रति आभार प्रकट किया, आश्वासन की धज्जियां उड़ाते हुए, यहां दिए हुए वक्तव्य की परवाह न करते हुए, सरकार ने खुदरा व्यापार में 51 प्रतिशत तक विदेशी पूंजी निवेश को अनुमति देने की घोषणा कर दी। इसलिए मैं आपसे संरक्षण चाहती हूं, पूरा विपक्ष और आल पार्टीज के नेता आपका संरक्षण चाहते हैं कि सर्वसम्मति बनाना तो दूर, आम सहमति बनाने का प्रयास भी इस सरकार ने नहीं किया, कोई मीटिंग नहीं बुलाई, कोई बात नहीं की और यह निर्णय हो गया। इसलिए मेरा आपसे करबद्ध निवेदन है कि हमें इस सदन में अपनी बात कहने का मौका दिया जाए और अपनी राय मतदान के माध्यम से प्रकट करने का मौका दिया जाए। नियम 184 के तहत एफडीआई इन रिटेल पर चर्चा की अनुमति आप हमें प्रदान करें ताकि जो काम सरकार ने नहीं किया, वह काम इस सदन के माध्यम से हम बता सकें कि पूरे देश का जनमानस खुदरा व्यापार में विदेशी पूंजी निवेश के लिए क्या चाहता है। यह मेरा आपसे अनुरोध है और विपक्ष के सारे लोग

यह मांग कर रहे हैं कि रूल 184 में एफडीआई पर चर्चा कराइए। यही मेरा आपसे अनुरोध है। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2 p.m.

12.39 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.

12.30 hrs

The Lok Sabha re-assembled at thirty minutes past Twelve of the Clock.

(Madam Speaker *in the Chair*)

...(*Interruptions*)

श्री गणेश सिंह (सतना): अध्यक्ष महोदया, सबसे पहले आप नियम 184 के अन्तर्गत चर्चा कराइये।

...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्षा जी, ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Just one minute. I have to make an observation regarding the notices of Adjournment Motion.

...(*Interruptions*)